मुख्य विकास अधिकारी/जिलाधिकारी महोदय

जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन कार्यकम के अन्तर्गत चल रहे कार्यों के सम्बन्ध में दिनांक 24.05.2025 को आयोजित समीक्षा बैठक में निम्नानुसार निर्देश दिये गये।

1– बैठक में उपस्थित अधिशासी अभियन्ता जल निगम (ग्रामीण) द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद मऊ में मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा फेज–2 के लिये दिनांक 26.08.2021 से नामित की गयी है। संस्था द्वारा वर्ष 2021 से कार्य भी प्रारम्भ कर दिया गया था। मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ दिनांक 04.03.2023 से तथा मेसर्स के.एल.एस.आर दिनांक 05.04.2023 से फेज–5 में कार्य किये जाने हेतु कार्यदायी संस्था के रूप में नामित की गयी। दोनों संस्थाओं द्वारा वर्ष 2023 से फेज–5 में कार्य भी प्रारम्भ कर दिया गया। जल जीवन मिशन योजनान्तर्गत 'हर घर जल' से सम्बन्धित कार्य की प्रगति की मदवार पृथक–पृथक समीक्षा की गयी।

2– <u>एफएचटीसी (गृह संयोजन)</u> के अन्तर्गत जनपद मऊ के लिये 264404 का लक्ष्य निर्धारित है, जिसके सापेक्ष 241261 की पूर्ति 91.25 प्रतिशत की जा चुकी है। अधिशासी अभियन्ता द्वारा बताया गया कि इस लक्ष्य में तीनों कार्यदायी संस्थाओं के लक्ष्य के साथ–साथ जल निगम की पुरानी पेयजल परियोजनाओं का लक्ष्य भी सम्मिलित है। एजेन्सीवार पृथक–पृथक समीक्षा करने पर स्पष्ट है कि मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा द्वारा 96927 के सापेक्ष 90026 की पूर्ति करते हुये 92.88 प्रतिशत पूर्ण किया गया है। 6901 नल कनेक्शन अवशेष है। मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ द्वारा 83944 के सापेक्ष 78386 की पूर्ति करते हुये 93.08 प्रतिशत पूर्ण किया गया है। 5558 नल कनेक्शन अवशेष हैं। मेसर्स के.एल.एस.आर द्वारा 43759 के सापेक्ष 39712 की पूर्ति करते हुये 90.75 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण किया गया है। 4047 नल कनेक्शन अवशेष हैं। जल निगम की पुरानी परियोजनाओं से सम्बन्धित 38465 लक्ष्य के सापेक्ष 32903 की पूर्ति करते हुये 85.54 प्रतिशत लक्ष्य पूर्ण किया गया है। 5562 नल कनेक्शन अवशेष हैं। जल निगम एवं के.एल. एस.आर की प्रगति कम है। विशेष ध्यान देते हुये अपेक्षित प्रगति किये जाने के निर्देश दिये गये। यह भी उल्लेखनीय है कि एफएचटीसी की कुल प्रगति 91.61 प्रतिशत हो चुकी है परन्तु इसके सापेक्ष पेयजल परियोजनाओं से सम्बन्धित कम्पोनेन्ट (घटक) की प्रगति अत्यन्त कम है। एफएचटीसी के अनुरूप योजना के समस्त घटकों की प्रगति बढ़ायी जाय।

3– **शिरोपरि जलाशय (ओएचटी)** जनपद मऊ में कुल 536 शिरोपरि जलाशय का निर्माण करने का लक्ष्य निर्धारित है। मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा को 225, मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ को 198 एवं मेसर्स के.एल.एस.आर को 113 का लक्ष्य निर्धारित है। अब–तक कुल 172 ओएचटी पूर्ण हो पाये हैं। मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा द्वारा 66, मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ द्वारा 94 तथा मेसर्स के.एल.एस.आर द्वारा 12 पूर्ण किये गये है। मेसर्स के.एल.एस.आर की प्रगति अत्यंत दयनीय है। **मेसर्स एल.सी. इन्फ्रा द्वारा द्वितीय फेज में 2021 से कार्य प्रारम्भ करने के बावजूद मात्र 66 शिरोपरि जलाशय पूर्ण करना संतोषजनक नही है।** मेसर्स एल.सी. इन्फ्रा की कम प्रगति पर जिलाधिकारी महोदय द्वारा अप्रसन्नता व्यक्त करते हुए बैठक में उपस्थित संस्था के प्रतिनिधि को आखिरी मौका देते हुए सचेत किया गया कि प्रगति में सुधार न होने पर संस्था के विरूद्ध कार्यवाही की जायेगी। ओएचटी की समीक्षा से स्पष्ट है कि 195 शिरोपरि जलाशय की प्रगति 76 प्रतिशत से 99 प्रतिशत के मध्य है। **कार्यदायी संस्थाओं के जिला प्रतिनिधियों द्वारा 30 जून 2025 तक 195 शिरोपरि जलाशय को पूर्ण करने का वादा किया गया है।** 76 से 99 प्रतिशत के मध्य एल.सी.इन्फ्रा को 90, मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ को 77 तथा मेसर्स के.

Scanned with OKEN Scanner

एल.एस.आर को 28 शिरोपरि जलाशय पूर्ण किये जाने के कड़े निर्देश दिये गये। **अधिशासी अभियन्ता जल निगम ग्रामीण को निर्देशित किया गया है कि प्रति सप्ताह एजेन्सीवार प्रगति से अवगत कराते रहें। 30 जून 2025 तक किये वादे पूर्ण न किये जाने पर सम्बन्धित संस्था के विरूद्ध कार्यवाही हेतु पत्रालेख अधोहस्ताक्षरी के समक्ष प्रस्तुत किया जाय।**

4— <u>ट्यूबवेल</u>— अधिशासी अभियन्ता द्वारा बताया गया कि जनपद में कुल 574 ट्यूबवेल बोर करने का लक्ष्य निर्धारित है। एजेन्सीवार विवरण देखने से स्पष्ट है कि मेसर्स के.एल.एस. आर को 116 ट्यूबवेल बनाने थे, जिसके सापेक्ष 113 पूर्ण किये गये हैं तथा 03 ट्यूबवेल का कार्य अवशेष है। मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ को 207 ट्यूबवेल बनाना था परन्तु 203 ही बन पाये है 04 ट्यूबवेल अवशेष हैं। मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा को 251 ट्यूबवेल बनाना था 247 ट्यूबवेल ही बना पाये हैं। 04 ट्यूबवेल अवशेष हैं। कुल 11 ट्यूबवेल अवशेष हैं। संस्थाओं द्वारा अवगत कराया गया कि भूमि मिलने पर जून के अन्त तक सभी ट्यूबवेल पूर्ण कर लिये जायेगें। निर्देश दिये गये कि सभी एस.डी.एम से तत्काल सम्पर्क करके भूमि की उपलब्धता सुनिश्चित करें तथा जून के अन्त तक अवशेष ट्यूबवेल पूर्ण किये जायं।

5— <u>पम्प हाउस</u>— जनपद मऊ में कुल 574 पम्प हाउस बनाये जाने थे। जिसके सापेक्ष 521 पम्प हाउस बने हैं। 53 पम्प हाउस अवशेष हैं। **संस्था के प्रतिनिधियों द्वारा जुलाई तक सभी पम्प हाउस पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया है।** मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा द्वारा 32 अवशेष मे से **12 पम्प हाउस जून 2025** तक तथा **20 जुलाई 2025** तक पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया है। मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ द्वारा **07 अवशेष मे से जून 2025 तक 03 पम्प हाउस तथा जुलाई, 2025 तक 04 पम्प हाउस** पूर्ण करने का आश्वासन दिया गया है। मेसर्स के.एल.एस. आर के 14 अवशेष है। **जून 2025 तक 07 पम्प हाउस** तथा **07 पम्प हाउस जुलाई तक पूर्ण** कर लिये जाने का आश्वासन दिया गया है। सभी कार्यदायी संस्था को किये गये वादे के अनुसार निर्धारित अवधि में पम्प हाउस को पूर्ण करने के लिये **अन्तिम मौका दिया जाता है। कार्य पूर्ण न होने पर जिलाधिकारी स्तर से मेजर पेनाल्टी के लिये पत्रालेख प्रस्तुत किये जाने हेतु अधिशासी अभियन्ता जल निगम को निर्देश दिये गये।**

6— <u>**सोलर पैनल**</u>— जनपद मऊ में कुल 528 सोलर पैनल लगाने का लक्ष्य है। विवरण पत्र से स्पष्ट है कि 512 सोलर पैनल लगाने का कार्य प्रारम्भ हो चुका है जिसमें से 375 सोलर पैनल पूर्ण रूप से तैयार हैं। 153 सोलर पैनल का कार्य पूर्ण नही हुआ है। कार्यदायी संस्था के जिला प्रतिनिधियों द्वारा बताया गया कि पम्प हाउस पूर्ण होने तथा शिरोपरि जलाशय की प्रगति के साथ–साथ सोलर पैनल के कार्य मे प्रगति लायी जा रही है।

7— <u>मोटरेबुल रोड रेस्टोरेशन</u>— कार्यदायी संस्था मेसर्स के.एल.एस.आर द्वारा 234 किमी0 मे से 230 किमी0 पूर्ण होना तथा 04 किमी0 अवशेष होना बताया गया। मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ द्वारा 884 किमी0 के सापेक्ष 875 किमी0 पूर्ण होना तथा 09 किमी0 अवशेष होना बताया गया। इसी प्रकार मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा का कार्य 1036 किमी0 के सापेक्ष 1013 किमी0 पूर्ण होना तथा 23 किमी0 कार्य अवशेष बताया गया। तीनों संस्थाओं का मिलाकर **कुल 36 किमी0 मार्ग व्यवस्थित नही किया गया है।** रोड रेस्टोरेशन को लेकर मा0 जन प्रतिनिधियों द्वारा अत्यधिक शिकायतें प्राप्त हो रही हैं। सामान्य जन से सम्बन्ध होने के कारण जन आक्रोश से इन्कार नही किया जा सकता। **आगामी वर्षा के दृष्टिगत तत्काल अवशेष रोड रेस्टोरेशन का कार्य जून 2025 तक शत–प्रतिशत पूर्ण किये जाने के निर्देश दिये गये।**

Scanned with OKEN Scanner

8– <u>पाईप लाईन</u>– कार्यदायी संस्था मेसर्स के.एल.एस.आर द्वारा 1748 किमी0 के सापेक्ष 1520 किमी0 पाईप लाईन का कार्य पूर्ण किया गया है। 228 किमी0 पाईप लाईन बिछाने का कार्य अवशेष है। मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ द्वारा 3430 किमी0 के सापेक्ष 3158 किमी0 पाईप लाईन बिछायी गयी है। 272 किमी0 पाईप लाईन का कार्य अवशेष है। मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा 2963 किमी0 के सापेक्ष 2858 किमी0 पाईप लाईन बिछायी गयी है तथा 105 किमी0 पाईप लाईन का कार्य अवशेष है। कुल 8141 किमी0 के सापेक्ष 7536 किमी0 पाईप लाईन बिछायी गयी है तथा 605 किमी0 पाईप लाईन बिछाने का कार्य अवशेष है। **मेसर्स के.एल.एस.आर द्वारा अवशेष 228 किमी0 मे से 100 किमी0 15 जून तक तथा 128 किमी0 15 जुलाई तक पूर्ण करने का वादा किया गया है। मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ द्वारा अवशेष 272 कि0मी0 में से 70 किमी0 जून तक पूर्ण करने एवं अगस्त तक सम्पूर्ण अवशेष 272 किमी0 पूर्ण करने का वादा किया गया है। मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा द्वारा अवशेष 105 किमी0 का कार्य 15 अगस्त तक पूर्ण किये जाने का वादा किया गया है।**

9– <u>भौतिक प्रगति</u>– मऊ मे कुल 532 परियोजनाओं मे से मात्र 70 परियोजनायें 100 प्रतिशत पूर्ण रूप से तैयार हो चुकी है। पूर्ण होने वाली 70 परियोजनाओं में 25 मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ, 42 मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा तथा 03 मेसर्स के.एल.एस.आर की हैं। **532 के सापेक्ष मात्र 70 परियोजनायें पूर्ण होना कार्यदायी संस्थाओं की घोर लापरवाही एवं उदासीनता का द्योतक है।** मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा द्वारा फेज–2 में 2021 से कार्य प्रारम्भ किया गया है की प्रगति सबसे दयनीय है। **142 ऐसी परियोजनायें है जिनकी प्रगति 76 से 99 प्रतिशत के मध्य है।** मेसर्स जी.ए.विश्वनाथ की 100, मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा की 36 एवं मेसर्स के.एल.एस.आर की 06 परियोजनायें है। 76 से 99 प्रतिशत के मध्य वाली परियोनाओं को **प्रत्येक दशा में जून 2025 तक पूर्ण किया जाना सुनिश्चित किया जाय।** सहायक अभियन्ता एवं मेसर्स एल.सी.इन्फ्रा के जिला प्रतिनिधि को प्रत्येक सप्ताह व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर साप्ताहिक प्रगति से अवगत कराये जाने के निर्देश दिये गयें।

10– **आई0एस0ए0**– जिला समन्वयक द्वारा अवगत कराया गया कि जनपद में 03 संस्थाए क्रमशः समाज कल्याण ग्रामोद्योग संस्थान, जनकल्याण समिति तथा अभिनव बाल एवं ग्रामोद्योग संस्थान सूचीबद्ध है। संस्थाओं द्वारा ग्राम प्रधान व ग्राम पेयजल एवं स्वच्छता समिति के साथ बैठक करके जल जीवन मिशन के अन्तर्गत आमजन को जागरूक किया जाना है। समान्य तौर पर जल जीवन मिशन के सम्बन्ध में ग्रामीण क्षेत्रों में जागरूकता का अभाव दृष्टिगत होता है। प्रत्येक ग्राम पंचायत में पेयजल एवं स्वच्छता समिति के साथ बैठक करके समिति के उत्तरदायित्वों के प्रति जागरूक करने तथा बैठक से सम्बन्धित आवश्यक रजिस्टर तैयार करने हेतु आईएसए को निर्देश दिये गये।

उपरोक्तानुसार बैठक का कार्यवृत्त तैयार कर महोदय के अनुमोदनार्थ प्रस्तुत है। सादर अनुरोध है कि कृपया बैठक कार्यवृत्त अनुमोदन करने का कष्ट करें।

Executive Engineer
Division Office U.P.
Jal Nigam (Rural) Mau

Scanned with OKEN Scanner